

एक झालक

17 कि.मी. की श्री श्याम धजा
निशन पदयात्रा 02 मार्च को



रांची : श्री श्याम धजा पदयात्रा समिति के तत्त्वान्त में 2 मार्च 2025 दिन - रिवार को रांची नगर में राजस्थान के खाड़ी श्रीधरी जी के परिपारा के अनुसार ही श्री श्याम धजा निशन पदयात्रा का आयोजन होने जा रहा है। श्री श्याम धजा पदयात्रा समिति के प्रकाता संजय सराफ ने देशपात्र कि श्री श्याम धजा के नवरी विकास पदयात्रा राहीं से श्री खट्टा, श्री श्याम मिर्द इमूर रोड में धजा समर्पण के साथ समाप्त होगी। ज्ञात हो की खट्टा धजा में यह परपरा है कि श्याम भट्ट बाबा श्याम को धजा निशन यात्रा रिसेस से 17 किलोमीटर की पदयात्रा कर बाबा श्री श्याम को समर्पित करता है। मान्यता है कि जो भी भक्त श्याम प्रभु की निशन को अपनी मार की गत कहता है और उसे सर्वे विश्वास से श्री श्याम प्रभु को अपनित करता है तो वहा जो भक्त ही इसी परपरा के अनुसार रांची में विगत 3 वर्षों से श्री श्याम धजा पदयात्रा समिति द्वारा यह आयोजन हो रहा है तथा 2 मार्च को श्री श्याम धजा पदयात्रा के सफल आयोजन हेतु अति श्रीघ एक बैठक किया जाया।

प्रथम दिन 2070 लोगों ने राज भवन उदान का किया भ्रमण



रांची : राजस्थान महोदय के निदेशन-नुसार राज भवन उदान को आम लोगों को देखने वाले भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु दिनांक 6 फरवरी से 12 फरवरी, 2025 तक खोला गया है। आज प्रथम दिन 2070 लोगों ने राज भवन उदान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। उदान भ्रमण का समय पूर्ण 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। विद्युत हो कि उदान में प्रवेश राज भवन के गेट 1 ने 2 से सुरक्षा जांचपरांत 1 बजे अपराह्न तक है।

रक्षा राज्य मंत्री से मिला झारखण्ड कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल



रांची : झारखण्ड प्रेस कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कान्तेश के नेतृत्व में कांग्रेस के तीन विधायिकों ने आज भी दिल्ली में रक्षा राज्य मंत्री श्री जस्ती रमेश से रक्षा मंत्रालय में शिवायाचार मुलाकात की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ रिकार्ड के विधायिक भी रक्षा राज्य कांग्रेस के विधायिक भी सुशोभ बैठा और रामगढ़ की विधायिक भ्रमित ममता देवी शमिल रहे।

पशु व्यापारी से 07 लाख

85 हजार रुपये की लटू रांची-बुद्धु : सोनालू धान के ढलमा गाय, रस्यां रेखा नदी के डाङडुग पुरी के समीनी हाथापार के बल पर पशु व्यापारी से सात लाख 85 हजार रुपये की लटूपात करने की घटना हुई है। बदना गुरुवार रात्रि भवन की बांधी जा रही। पुलिस के अनुसार वक्तव्यपुर के चार पशु व्यापारी नीतीय यादव, सरीषीय यादव, जयराम यादव, राहुल यादव, पक्षज यादव और एप्पी यादव और चालक डब्लू यादव, परवत लोक से बेंगांव के काली बाजार गए थे। पशुओं को बेंगांव के बाल वापस लौट रहे थे उसी दूर घटना को आजांव दिया गया है व्यापारियों को बाजार से ही रेकी करते हुए रवर्ण रेखा नदी तक बहाया किया गया है। व्यापारियों को बाजार से दूर बहाया किया गया है। नीतीय यादव, सरीषीय यादव, जयराम यादव, राहुल यादव, पक्षज यादव और एप्पी यादव के विधायिक करने पर दिया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 08 मार्च को, डालसा की तैयारी जोरों पर

अधिक से अधिक वादों का निष्ठारण ही लक्ष्य : राजेश कुमार सिंह

रांची

सम्पादकीय.....

औद्योगिक विकास को मिलेगी नयी दिशा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा ने न केवल जापान की औद्योगिक प्रगति और विकास को करीब से समझने का अवश्यक प्रदान किया बल्कि वहाँ के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, तकनीकी विकास को भी करीब से देखा। जापान सरकार और प्रवासी भारतीयों द्वारा डॉ. यादव का गर्मजॉशी से स्वागत किया गया। जापान में उनकी यात्रा का उद्देश्य ऐसी ही और जापान के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाना रहा। जब वह टोक्यो पहुंचे तो उनका वह स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। टोक्यो में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभवनाओं के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान टीम के साथ भूंत करने के साथ ही टोक्यो। मोर्टर कार्पोरेशन के विशेष अधिकारियों के साथ और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक जिसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में सेलिंगटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप : फोकस मध्यप्रदेश रोड-शो में भी सहभागिता की। जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्यधिक तकनीकी अविवाक्यों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना रहा है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें एक प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे वह तकनीकी हाई सुनियोग के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो-कु में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्यप्रदेश में निवेश के लिए सभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की। डॉ. मोहन यादव ने जापान इंटरनेशनल ऑफिसरेशन एजेंसी को मध्यप्रदेश में हाईड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनी एनडीडी मेडिकल के निदेशक डाइकी अराई ने मध्यप्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने की मंशा जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में एडीडी मेडिकल कंपनी के निदेशक डाइकी अराई रेस मुलाकूत कर मध्यप्रदेश में विकिस्त्रा उपकरण निर्माण के अवधारणा पर विचार की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्ज्ज्वल के अत्यधिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाईयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हैं केरल और मेडिकल डिवाइस सेवकर का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाया। उज्ज्वल में बन रहे मेडिकल डिवाइस और मुख्य रूप से मेडिकल केंद्र के लिए भी जापान के उद्योगपतियों से सहयोग की जारी है। सीईडी डॉ. यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश में मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनने जा रहा है जिसके लिए जापान से निवेशकों के बड़े प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने सिरमेवस की अवधारणा और मध्यप्रदेश में सिरमेवस का अमंत्रित किया। एंडीडी मेडिकल ने मध्यप्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने के अंत तक इसे शुरू करने की बात कही है।

● किसने क्या कहा



कांग्रेस के पंजे से मुक्त होकर आज देश बैन की सांस ले रहा है
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सरकार विदेशों में भारतीय छात्रों के कृत्यान् पर साधारणीपूर्वक नजर रखती है
डॉ. एस. जयशंकर
विदेश मंत्री



सामाजिक उल्लास बनाम अराजक उत्सव : आत्मनंथन का समय

प्रो. आरके जैन
मनवां और अन्यांशों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत्सव के वैराग्य सामाजिक मयार्दाओं और दूसरों की सुविधाओं को अनुभव कर देता है। विशेषकर विवाह, पर्व-यात्राओं और सार्वजनिक अवधारणों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रलयकारी धृति में श्रद्धालुओं की अधिवृक्ति में अद्वितीय कुशलताएँ प्रदर्शित करता है, किन्तु प्रावः इस आनंदउत

एक झलक

ऑपरेशन के बाद

महिला की हुई मौत

गद्वा : भवनशापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन के बाद एक मरिला की मौत हो गयी।

मृतक उत्तर प्रदेश के बिहारगंज

थाना क्षेत्र के पतेरिया गांव

निवारी मुकेश कुमार गुप्ता की

पत्नी दुर्गा देवी 32 वर्ष है। बताया

जा रहा है। बताया अपने

सुसागर से बाधकरण ऑपरेशन

के लिए आपने मायके भवनशापुर

थाना क्षेत्र के सेरैया गांव बुधवार

को आई थी। जहां से सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र भवनशापुर में

बाधकरण ऑपरेशन के लिए

लाया गया था। जहां बुधवार की

शाम को डॉ. वीरेंद्र कुमार

भवनशापुर प्रभारी दिनश कुमार

सिंह सहित एक अन्य चिकित्सक

के द्वारा बाधकरण ऑपरेशन

किया गया। गुरुवार की सुबह 4

बजे उत्तर प्रदेश की तरियत

बिहारियों ने बहरत इलाज के

लिए गद्वा सदर अस्पताल रेफर

कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने

पर चिकित्सकोंने महिला की मृत

घोषित कर दिया। घटना में

मृतिका के पिता ने चिकित्सकों पर

लापरवाही का आरोप लगाया है।

परिजनों ने कहा कि ऑपरेशन के

दौरान चिकित्सकोंने ने बड़ी चुक्की

की। जिसके कारण दुर्गा की मौत

हुई। जिसके बाद पुलिस ने शव

को अपने कब्जे में लेकर

पोस्टमॉर्टम के लिए पोस्टमॉर्टम

हाउस भेज दी है। बताते चले कि

बाधकरण ऑपरेशन में

लापरवाही का यह कही एक नया

मामला नहीं है। पूर्व में भी

बाधकरण में हुई लापरवाही को

लेकर कई मरीजों के परिजन एवं

मरीजों के द्वारा सिविल सर्जन एवं

जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को

आवेदन दिया गया है।

16-17 फरवरी को होगा गुमला

लिटरेवल-2 का आयोजन

गुमला : 16 एवं 17 फरवरी

2025 को गुमला लिटरेवर

फेस्टिवल-2 का आयोजन किया

जाएगा। इस मोके पर भारत के

प्रसिद्ध ही फीकिर लेखक

कोमेडिया को लिए

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

उत्सव होगा। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में

प्रसिद्ध भारतीय गीतकार,

लेखक, स्टैंड-अप कॉमेडियन

और फिल्म निर्माता

कवियों को देखने और सुनने को

मौका मिलेगा। गुमला की जनता

को यह दो दिवसीय सामुदायिक

आयोजन में साहित्य, कला,

संस्कृत एवं संवाद तक

